फोन नं. : 9116636547
संस्थापित सन् 1885

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 7.12.2024

क्रमांक : ....

श्रीमान् निदेशक (केन्द्रीय योजनाएँ) महोदय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
56-57, संस्थानिक क्षेत्र,
जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058

विषय : पंचदिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला रिपोर्ट के सम्बन्ध में।

महोदय,

केन्द्रीय संस्कृत संवर्धन योजना (अनुदानित) के अन्तर्गत महाविद्यालय में दिनांक 18 नवम्बर, 2024 से 22 नवम्बर, 2024 तक पंचदिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला सम्पन्न कराई गई। जिसके प्रतिवेदन फोटो, वीडियो एवं यूट्यूब लिंक आदि के साथ संलग्न हैं

सधन्यवाद।

भवदीय

(अनिल जैन)
कार्यशाला संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com
Website:www.jainsanskritcollege.com

कार्यशाला व्यवस्थापक समिति

मंच संचालन-श्री अनिल जैन
(असिस्टेंट प्रोफेसर-जैन दर्शन विभाग)

विद्वान व्यवस्था
डॉ. हितेंद्र कुमार जैन
(एसोसिएट प्रोफेसर-जैन दर्शन विभाग)
डॉ. हेमंत कुमार जैन
श्री हेमंत जैन

मंच व्यवस्था- डॉ. श्रुति पारीक
(असिस्टेंट प्रोफेसर-अंग्रेजी विभाग)
सुश्री रुचि चौधरी

अतिथि सत्कार व्यवस्था
श्री राम प्रताप शर्मा
श्री पी.एल.योगी

ऑनलाइन प्रसारण व्यवस्था
डॉ. कृष्ण देव शुक्ल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
सुश्री वर्षा जैन

छात्र वर्ग अनुशासन व्यवस्था
श्री सुनील पुरी गोस्वामी
श्री अरविंद गौतम
श्री महेन्द्र मल्होत्रा

छात्रा वर्ग अनुशासन
श्रीमती कविना सिंह
श्रीमती ज्योति शर्मा

कार्यालयीन व्यवस्था
श्री राकेश जैन
श्री अमित जी

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

वीरोदय नगर जैन नसिया रोड
सांगानेर जयपुर , राजस्थान
JAINSANSKRITCOLLEGE.COM

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली की
संस्कृत संवर्धन योजना के द्वारा अनुदानित

अभिनव धर्मभूषण विरचित
न्यायदीपिका
कार्यशाला

18.11.2024 से
22.11.2024 तक

प्रथम दिन
18.11.2024
उद्घाटन सत्र
प्रातः 11:00 बजे

मुख्य अतिथि
प्रो. राजधर जी मिश्र
(जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय)

अध्यक्ष
श्री एन. के.सेठी,
I.A.S. (Retd).
महाविद्यालय

मंत्री
महेश चंद जैन 'चांदवाड़'

मुख्य प्रशिक्षक
प्रो. वीरसागर जी जैन
(लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली)

वक्तव्य-विषय
1.श्रीमद् अभिनवधर्म भूषण यति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2.प्रमुख दार्शनिक मनीषियों का परिचय
3.प्रमुख दार्शनिक ग्रंथ और उनका परिचय
4.न्यायदीपिका का सामान्य परिचय एवं वर्तमान में उपयोगिता
5.ग्रंथ का मंगलाचरण एवं मंगलाचरण की आवश्यकता
6.न्यायदीपिका का स्रोत एवं प्रामाणिकता

अभिनव धर्मभूषण विरचित
न्यायदीपिका
कार्यशाला

प्राचार्य
डॉ. अनिल कुमार जैन

IQAC समन्वयक
डॉ. श्रुति पारीक

संयोजक
अनिल जैन

समय:- 2:00 बजे से 4:30 बजे तक

अभिनव धर्मभूषण विरचित
न्यायदीपिका
कार्यशाला
द्वितीय
दिन
19.11.2024
अल्पाहार-
1:30 बजे से
2:00 बजे तक
प्रथम प्रशिक्षक
प्रो.श्रेयांस कुमार
सिंघई,
(Retd.)
केंद्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय,
जयपुर
वक्तव्य-विषय
प्रमाण मीमांसा
समय: 11:30 बजे से
1:30 बजे तक
द्वितीय प्रशिक्षक
डॉ. शीतल कुमार
जैन,
निदेशक,
अनुसंधान केंद्र,
जयपुर
वक्तव्य-विषय
लक्षण-मीमांसा
समय:-2:00 बजे से
4:30 बजे तक

अभिनव धर्मभूषण विरचित
न्यायदीपिका
कार्यशाला
तृतीय
दिन
20.11.2024
अल्पाहार-
1:30 बजे से
2:00 बजे तक
प्रथम प्रशिक्षक
डॉ. अनिल कुमार
जैन,
श्री दिगंबर जैन
आचार्य संस्कृत
महाविद्यालय
जयपुर
वक्तव्य-विषय
प्रत्यक्ष प्रमाण का
स्वरूप एवं उसकी
मीमांसा
समय: 11:30 बजे से
1:30 बजे तक
द्वितीय प्रशिक्षक
श्री अनिल जैन
असिस्टेंट प्रोफेसर
(जैनदर्शन विभाग)
श्री दिगंबर जैन
आचार्य संस्कृत
महाविद्यालय जयपुर
वक्तव्य-विषय
प्रत्यक्ष प्रमाण
के भेद
समय:-2:00 बजे से
4:30 बजे तक

प्रथम प्रशिक्षक
प्रो.धर्मचंद जैन,पूर्व प्रोफेसर जय नारायण व्यासविश्वविद्यालय, जोधपुर

वक्तव्य विषय
परोक्ष प्रमाण का स्वरूप एवं उसके भेदों का तुलनात्मक निरूपण

समय: 11:30 बजे से 1:30 बजे तक

अभिनव धर्मभूषण विरचित

न्यायदीपिका

कार्यशाला

चतुर्थ दिन

21.11.2024

अल्पाहार- 1:30 बजे से 2:00 बजे तक

द्वितीय प्रशिक्षक:-
डॉ.हितेंद्र कुमार जी जैन, एसोसिएट प्रोफेसर (जैनदर्शन विभाग) श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर

वक्तव्य विषय
हेतु की मीमांसा

समय:-2:00 बजे से 4:30 बजे तक

प्रो. कमलेश कुमार जैन, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

वक्तव्य-विषय
अनेकान्तवाद और नय

समय: 11:30 बजे से 1:30 बजे तक

अभिनव धर्मभूषण विरचित

न्यायदीपिका

कार्यशाला

पंचम दिन

22.11.2024

अल्पाहार- 1:30 बजे से 2:00 बजे तक

समापन समारोह 2:00 बजे

अध्यक्ष
श्री एन. के.सेठी, I.A.S. (Retd). महाविद्यालय

मंत्री
महेश चंद जैन 'चांदवाड़'

मुख्य अतिथि
प्रो. कमलेश कुमार जैन , केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर

पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला

(केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत अनुदानित)

दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक

प्रथम दिन

उद्घाटन समारोह एवं प्रशिक्षण

मुख्य अतिथि:- प्रो.राजधर मिश्र
(ज.रा.रा.संस्कृत विश्वविद्यालय,जयपुर)
प्रशिक्षक:- प्रो. वीरसागर जैन
(लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)
विषय:- न्याय-सम्बद्ध ग्रन्थों का परिचय एवं उसकी उपयोगिता

द्वितीय दिन

प्रथम प्रशिक्षक:- प्रो.श्रीयांस कुमार सिंघई
((Retd.) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर)
विषय:- प्रमाण मीमांसा
द्वितीय प्रशिक्षक:- डॉ. शीतल कुमार जैन
(निदेशक, अनुसंधान केंद्र, जयपुर)
विषय:- लक्षण- मीमांसा

तृतीय दिन

प्रथम प्रशिक्षक:- डॉ. धर्मेंद्र जैन
(केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर)
विषय:-प्रत्यक्ष प्रमाण का स्वरुप एवं उसकी मीमांसा
द्वितीय प्रशिक्षक:- श्री अनिल जैन
(असिस्टेंट प्रोफेसर (जैनदर्शन) महाविद्यालय)

चतुर्थ दिन

प्रथम प्रशिक्षक:- प्रो.धर्मचंद जैन
(पूर्व प्रोफेसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर)
विषय:- परोक्ष प्रमाण का स्वरुप एवं उसके भेदों का तुलनात्मक निरूपण
द्वितीय प्रशिक्षक:- डॉ.अनिल कुमार जैन प्राचार्य
डॉ. राकेश कुमार जी जैन (नागपुर)
विषय:- हेतु की मीमांसा

पंचम दिन

प्रशिक्षक:- प्रो.कमलेश जैन
(केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर)
प्रशिक्षक:- डॉ. हितेंद्र कुमार जैन
(एसोसिएट प्रोफेसर (जैन दर्शन विभाग),महाविद्यालय)
विषय:- अनेकान्तवाद और नय

समापन-समारोह

आयोजक समिति

अध्यक्ष	मंत्री	प्राचार्य	IQAC समन्वयक	संयोजक
एन. के.सेठी	महेश चंद जैन 'चांदवाड़'	डॉ. अनिल कुमार जैन	डॉ. श्रुति पारीक	अनिल जैन

9057185893

संस्थापितवर्षः1885 रजि. क्रमांकः12/55-56

श्रीदिगम्बरजैन - आचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयनवदेहली-ज.रा.रा. संस्कृतविश्वविद्यालयजयपुर-माध्यमिकशिक्षाबोर्डराजस्थानैःसम्बद्धः, राष्ट्रियमूल्यांकनपरिषदा ''बी''श्रेणीप्राप्तश्च।

पंचदिवसीय-न्यायदीपिकाकार्यशाला

(केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य संस्कृतसंवर्धनयोजनया अनुदानिता)

दिनांकः- 18.11.2024 तः 22.11.2024 पर्यन्तम्

स्थानम्- सेमिनार-हॉल

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 18.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस पंचदिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिन 18 नवम्बर 2024 को उद्धघाटन सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री एन .के.सेठी (सेवानिवृत्त I.A.S.) ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.राजधर जी मिश्र जगतगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय मंचासीन थे। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो.वीरसागर जी जैन लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली थे।

इसके साथ ही संस्था के मंत्री श्री महेश चंद जी जैन 'चांदवाड', महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन, डॉ .राकेश कुमार जी जैन) नागपुर (एवं न्यायदीपिका कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन असिस्टेंट प्रोफेसर-जैन दर्शन विभाग मंचासीन थे।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष गणमान्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं ने मंगलमय मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात संस्था के मंत्री श्री महेशचंद जी जैन चांदवाड ने स्वागत भाषण एवं महाविद्यालय का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता प्रो.वीरसागर जी जैन ने कार्यशाला के वास्तविक स्वरूप को समझाते हुए न्याय के स्वरूप एवं तत्सम्बन्धी ग्रंथों का परिचय देते हुए न्यायदीपिका का सामान्य परिचय विद्यार्थियों को प्रदान किया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रो .श्री राजधर जी मिश्र ने न्याय और नैयायिक का स्वरूप बतलाते हुए न्यायदीपिका ग्रंथ का विशेष अर्थ विद्यार्थियों के सन्मुख प्रकट किया।

अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री एन .के.सेठी जी ने कार्यशाला की उपयोगिता बतलाते हुए विद्यार्थियों को इससे लाभान्वित होने की प्रेरणा प्रदान की।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार जी जैन ने किया।

मंच संचालन का कार्य श्री अनिल जैन असिस्टेंट प्रोफेसर-जैन दर्शन विभाग ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com Website:www.jainsanskritcollege.com

पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला का आयोजन

जयपुर शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत अनुदानित पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षक प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई (सेवानिवृत्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर ने 'प्रमाण मीमांसा' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिथ्या ज्ञान को हम प्रमाण न माने, इसके लिए हमें बुद्धि को प्रमाण की कसौटी पर कसना पड़ता है। द्वितीय प्रशिक्षक डॉ. शीतलचन्द्र जैन, निदेशक, अनुसंधान केन्द्र जयपुर ने 'लक्षण-मीमांसा' विषय पर चर्चा करते हुए जैन और जैनेतर दर्शनों में लक्षण के स्वरूप,भेद एवं उनमें आने वाले दोष की समीचीन लक्षण के स्वरूप की मीमांसा की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जगद्गुरु रामनंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. राजधर मिश्र, मुख्य वक्ता प्रो. वीर सागर जैन (दिल्ली) डॉ. राकेश कुमार जैन (नागपुर) महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के सेठी (सेवानिवृत्त आइ ए एस), मंत्री महेश चन्द्र जैन चौदवाड़, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन एवं संयोजक अनिल जैन (असिस्टेन्ट प्रोफेसर), अन्य गण्यमान्य अतिथियों एवं शिक्षार्थियों ने सहभागिता निभाई।

पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत अनुदानित पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षक प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई (सेवानिवृत्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर ने प्रमाण मीमांसा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिथ्या ज्ञान को हम प्रमाण न माने, इसके लिए हमें बुद्धि को प्रमाण की कसौटी पर कसना पड़ता है। द्वितीय प्रशिक्षक डॉ. शीतलचन्द्र जैन, निदेशक, अनुसंधान केन्द्र, जयपुर ने लक्षण-मीमांसा विषय पर चर्चा करते हुए जैन और जैनेतर दर्शनों में लक्षण के स्वरूप,भेद एवं उनमें आने वाले दोष की समीचीन लक्षण के स्वरूप की मीमांसा की। इससे पूर्व काल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जगद्गुरु रामनंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. राजधर मिश्र, मुख्य वक्ता प्रो. वीर सागर जैन (दिल्ली) डॉ. राकेश कुमार जैन (नागपुर) महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के सेठी (सेवानिवृत्त आइ ए एस), मंत्री महेश चन्द्र जैन चौदवाड़, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन एवं संयोजक अनिल जैन (असिस्टेन्ट प्रोफेसर), अन्य गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षार्थियों ने सहभागिता निभाई।

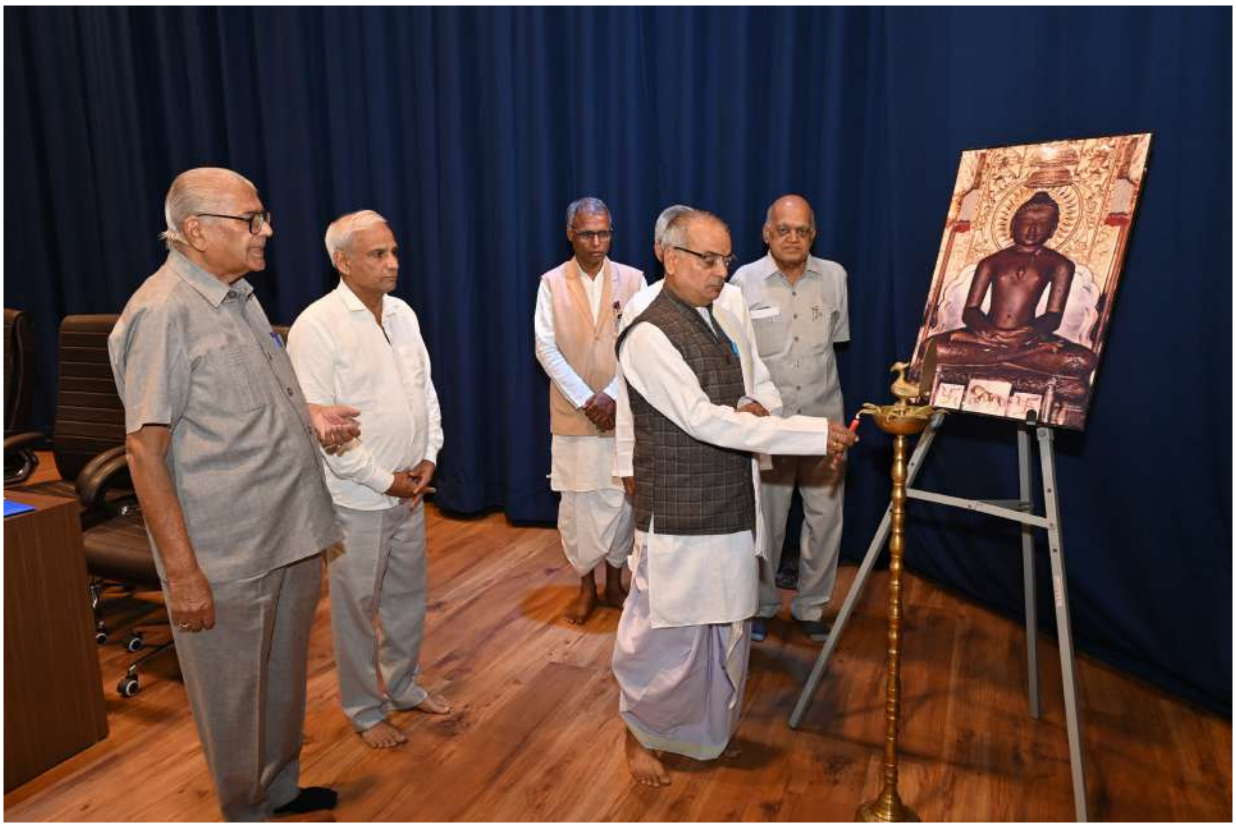

Youtube Link : https://www.youtube.com/live/VKGPeeLAdXo?si=oktdPQZJJfqRfrqm

फोन नं. : 9116636547
संस्थापित सन् 1885

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 18.11.2024

क्रमांक : ....

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के प्रथम दिन द्वितीय सत्र में प्रो.श्री वीरसागर जी जैन, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्य प्रशिक्षक रहे।

जिन्होंने निम्नलिखित विषयों के माध्यम से अपना विषय प्रस्तुत किया।

1.श्रीमद् अभिनवधर्म भूषण यति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

2.प्रमुख दार्शनिक मनीषियों का परिचय

3.प्रमुख दार्शनिक ग्रंथ और उनका परिचय

4.न्यायदीपिका का सामान्य परिचय एवं वर्तमान में उपयोगिता

5.ग्रंथ का मंगलाचरण एवं मंगलाचरण की आवश्यकता

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन ने किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com
Website:www.jainsanskritcollege.com

श्रीदिगम्बरजैन - आचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः
पंचदिवसीय-न्यायदीपिकाकार्यशाला

youtube Line : https://www.youtube.com/live/DNouUN7qwM4?si=-b_HXaBSAAjjkWNo

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 19.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के द्वितीय दिन 19.11.2024, प्रथम सत्र में प्रो.श्री श्रीयांस कुमार जी सिंघई, सेवानिवृत-केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपने आपके वक्तव्य के मुख्य विषय प्रमाण मीमांसा के अंतर्गत विभिन्न मतों में प्रतिपादित प्रमाणों के स्वरूप की चर्चा करते हुए जिनागम सम्मत प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रमाण का सामान्य स्वरूप विद्यार्थियों के समक्ष प्रतिपादित किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन ने किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com Website:www.jainsanskritcollege.com

आचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः
न्यायदीपिकाकार्यशाला
GPS Map Camera
Jaipur, Rajasthan, India
Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sanganer, Rq2r+mc6,
Nagar Nigam, Bambala, Jaipur, Rajasthan 302029, India
Lat 26.801698° Long 75.790907°
19/11/24 12:31 PM GMT +05:30
Google

समाचार जगत

जयपुर, 20 नवम्बर, 2024

5 दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत अनुदानित पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला चल रही है। इसी कड़ी में कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को प्रशिक्षक प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई ने 'प्रमाण मीमांसा' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिथ्या ज्ञान को हम प्रमाण न माने, इसके लिए हमें बुद्धि को प्रमाण की कसौटी पर कसना पड़ता है। द्वितीय प्रशिक्षक डॉ. शीतलचन्द्र जैन, निदेशक, अनुसंधान केन्द्र, जयपुर ने 'प्रमाण मीमांसा' विषय पर चर्चा करते हुए जैन और जैनेतर दर्शनों में लक्षण के स्वरूप,भेद एवं उनमें आने वाले दोष की समीचीन लक्षण के स्वरूप की मीमांसा की। इससे पूर्व उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जगतगुरु रामनंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. राजधर मिश्र, मुख्य वक्ता दिल्ली से प्रो. वीर सागर जैन,नागपुर से राकेश कुमार जैन,महाविद्यालय के अध्यक्ष सेवानिवृत आईएएस एन के सेठी मंत्री महेश चन्द्र जैन चांदवाड़, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन एवं संयोजक असिस्टेन्ट प्रोफेसरअनिल जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

youtube Line : https://www.youtube.com/live/r4ZESyj67fQ?si=BZQ0Wfj2bUvdg9gi

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 19.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के द्वितीय दिन, 19.11.2024, द्वितीय सत्र में डॉ .शीतलचंद जी जैन, निदेशक-अनुसंधान केंद्र,महाविद्यालय मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपने आपके वक्तव्य के मुख्य विषय लक्षण मीमांसा के अंतर्गत न्यायदीपिका ग्रंथ में प्रतिपादित आत्मभूत एवं अनात्मभूत लक्षण के स्वरूप को बहुत ही रोचक शैली में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष प्रतिपादित किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन ने किया।
अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com Website:www.jainsanskritcollege.com

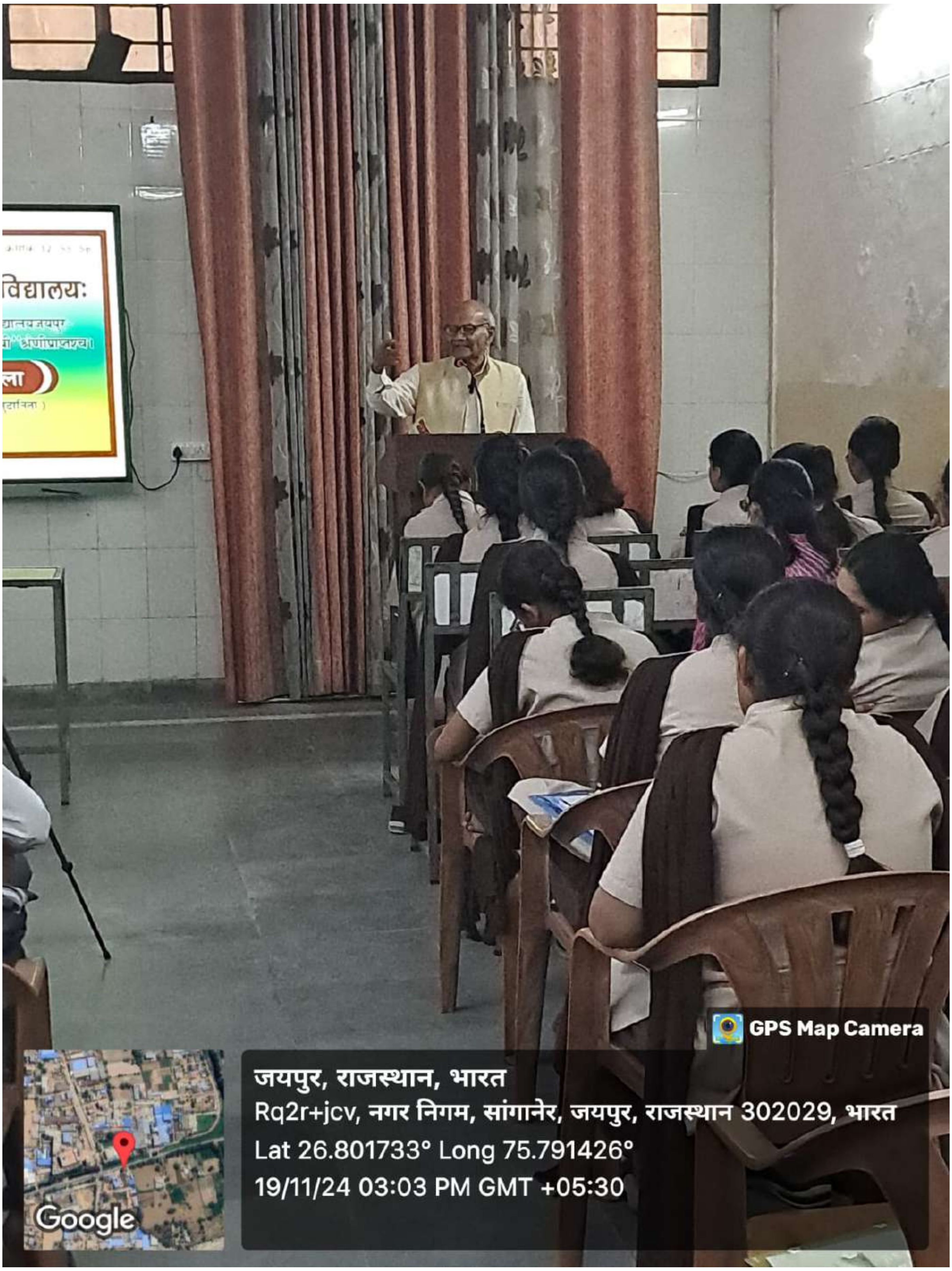
विद्यालयः
GPS Map Camera
जयपुर, राजस्थान, भारत
Rq2r+jcv, नगर निगम, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302029, भारत
Lat 26.801733° Long 75.791426°
19/11/24 03:03 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Google
जयपुर, राजस्थान, भारत
Rq2r+jcv, नगर निगम, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302029, भारत
Lat 26.801564° Long 75.791435°
19/11/24 03:03 PM GMT +05:30

Youtube Line : https://www.youtube.com/live/mV8rO5sYQpE?si=oVUrnoCTy0tslCpo

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 20.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के तृतीय दिन 20.11.2024 द्वितीय सत्र में श्री अनिल जी जैन असिस्टेंट प्रोफेसर-श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगानेर,जयपुर मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपने आपका वक्तव्य प्रत्यक्ष प्रमाण के भेद इस विषय पर प्रस्तुत किया।

आपने आपके विषय के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष प्रमाण के भेद-प्रभेद बतलाते हुए न्यायदीपिका ग्रंथ में वर्णित सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष एवं पारमार्थिक प्रत्यक्ष के स्वरूप को स्पष्ट किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ .हितेंद्र कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com Website:www.jainsanskritcollege.com

GPS Map Camera
Jaipur, Rajasthan, India
Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sanganer, Rq2r+mc6,
Nagar Nigam, Bambala, Jaipur, Rajasthan 302029, India
Lat 26.801704° Long 75.79038°
20/11/24 02:03 PM GMT +05:30
Google

Youtube Link: https://www.youtube.com/live/uZOESFD2QZ4?si=CZKvk9ExvG1m1Hvb

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 21.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के चतुर्थ दिन 21.11.2024 प्रथम सत्र में प्रो.धर्मचंद जी जैन सेवानिवृत्त प्रोफेसर-जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपने आपका वक्तव्य परोक्ष प्रमाण का स्वरूप एवं उसके भेदों का तुलनात्मक निरूपण इस विषय पर प्रस्तुत किया।

परोक्ष प्रमाण के भेद बतलाते हुए स्मृति, प्रत्यभिज्ञान, तर्क, अनुमान एवं आगम के स्वरूप को आपने स्पष्ट किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ .हितेंद्र कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Youtube Link: https://www.youtube.com/live/CmK9chedM10?si=djjcasx1MIkr36BP

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 21.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के चतुर्थ दिन 21.11.2024 द्वितीय सत्र में डॉ .हितेन्द्र कुमार जी जैन एसोसिएट-प्रोफेसर श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर ,जयपुर मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपने आपका वक्तव्य हेतु की मीमांसा इस विषय पर प्रस्तुत किया।

न्यायदीपिका में प्रतिपादित हेतु के स्वरूप को आपने भेदादिक सहित विद्यार्थियों के समक्ष प्रतिपादित किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ .कृष्ण देव जी ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com

Website:www.jainsanskritcollege.com

Youtube Link: https://www.youtube.com/live/fyfeXZ8MVs4?si=ZNlKIxxnHnWByFMc

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर – 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 22.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक किया गया।

इस कार्यशाला के पंचम दिन 22.11.2024 प्रथम सत्र में प्रो.श्री कमलेश कुमार जी जैन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर मुख्य प्रशिक्षक रहे।

आपके वक्तव्य का आधारबिंदु अनेकान्तवाद और नय-यह विषय था।

विश्व में व्याप्त अशांति, हिंसा, अत्याचार और आतंकवाद को दूर करने में अनेकान्तवाद समर्थ है।

विश्व शांति से आत्मशांति को प्राप्त कराने का प्रमुख कारण भी अनेकान्तवाद है-इस प्रकार से प्रायोगिक बिंदुओं के आधार पर आपने अपने विषय का प्रतिपादन किया।

इस सत्र में लगभग 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन ने किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

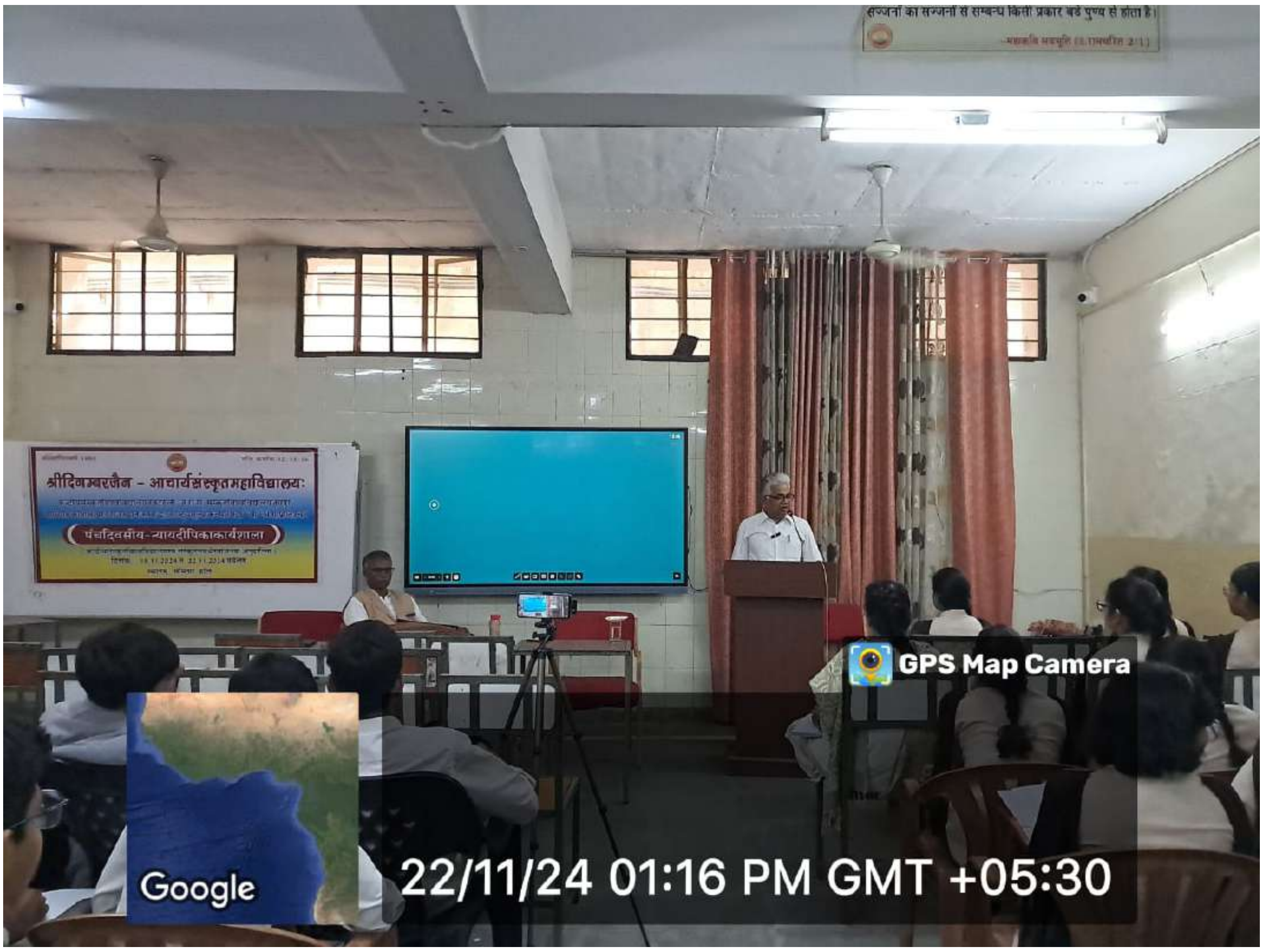
सज्जनों का सज्जनों से सम्बन्ध किसी प्रकार बड़े पुण्य से होता है।
श्रीदिगम्बरजैन - आचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः
पंचदिवसीय-न्यायदीपिकाकार्यशाला
GPS Map Camera
Google
22/11/24 01:16 PM GMT +05:30

श्रीदिगम्बरजैन - आचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः
पंचदिवसीय-न्यायदीपिकाकार्यशाला

Youtube Link: https://www.youtube.com/live/KDQKWCjWYOg?si=hkch3R9yPysuiNNm

संस्थापित सन् 1885 फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरू (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : .... दिनांक 22.11.2024

प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर जयपुर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की संस्कृत संवर्धन योजना के अंतर्गत पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2024 से 22 नवम्बर, 2024 तक किया गया।

इस पंचदिवसीय कार्यशाला के अंतिम दिन 22 नवम्बर 2024 को समापन-सत्र का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री एन .के.सेठी (सेवानिवृत I.A.S.) ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.कमलेश कुमार जी जैन, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,जयपुर मंचासीन थे।

इसके साथ ही संस्था के मंत्री श्री महेश चंद जी जैन 'चांदवाड', महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .अनिल कुमार जी जैन,न्यायदीपिका कार्यशाला संयोजक श्री अनिल जैन असिस्टेंट प्रोफेसर-जैन दर्शन विभाग एवं IQAC समन्वयक-डॉ .श्रुति पारीक सहित श्री कृष्ण देव शुक्ल मंचासीन थे।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष गणमान्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं ने मंगलमय मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार जी जैन ने किया।

मंच संचालन का कार्य श्री कृष्ण देव शुक्ल एसोसिएट प्रोफेसर-श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर ने किया।

(अनिल जैन)
संयोजक

(डॉ. अनिल कुमार जैन)
प्राचार्य

Email: sdjascjaipur@gmail.com Website:www.jainsanskritcollege.com

पांच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के तहत पांच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला हुई। इसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के जैन विभाग के प्रो. कमलेश जैन ने अनेकान्त और नए विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. कमलेश जैन, कॉलेज अध्यक्ष एनके सेठी, मंत्री महेश चंद चांदवाड़, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन, अनिल जैन, डॉ. हितेन्द्र, डॉ. कृष्णदेव शुक्ल और डॉ. श्रुति पारीक सहित अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। अंत में परीक्षा हुई और श्रेष्ठ विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में 18 नवम्बर को शुरू हुई पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला आज सम्पन्न हुई। कार्यशाला के पाँचवें दिन आज प्रथम सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के जैन दर्शन विभाग के प्रो. कमलेश जैन ने 'अनेकान्त और नय' विषय पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. कमलेश जैन, महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के. सेठी (सेवानिवृत्त आइ.ए.एस) मंत्री महेश चन्द्र 'चाँदवाड़', प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन, कार्यक्रम संयोजक जैन दर्शन विभाग के अनिल जैन एवं डॉ. हितेंद्र, कार्यक्रम संचालक डॉ. कृष्णदेव शुक्ल एवं डॉ. श्रुति पारीक (आइ क्यू ए सी समन्वयक) मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला में लगभग 130 छात्र- छात्राओं ने प्रतिभागिता निभाई। कार्यशाला पर आधारित एक परीक्षा का भी आयोजन किया गया और श्रेष्ठ विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

Youtube Link: https://www.youtube.com/live/5vZKr9_pMYU?si=d-fZFBTbD1A4BhZ0